भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

03.07.2019 के

तारांकित प्रश्न सं. 166 का उत्तर

रेलवे स्टेशनों का पुनरुद्धार

***166. डॉ॰ विजय कुमार दूबेः**
श्री रेबती त्रीपुराः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का निकट भविष्य में आकांक्षी जिलों के सभी रेलवे स्टेशनों का पुनरुद्धार करने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) उत्तर प्रदेश, दिल्ली तथा उत्तर-पूर्वी राज्यों सहित विभिन्न राज्यों तथा संघ राज्यक्षेत्रों में इन परियोजनाओं को पूरा करने हेतु निर्धारित समयावधि क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

रेलवे स्टेशनों का पुनरुद्धार के संबंध में दिनांक 03.7.2019 को लोक सभा में डॉ॰ विजय कुमार दूबे और श्री रेबती त्रीपुरा के तारांकित प्रश्न सं. 166 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): 115 भावी जिलों में से, अब तक 87 जिलों को भारतीय रेलवे के नेटवर्क से जोड़ दिया गया है।

विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश), रांची (झारखंड), राजनंदगांव (छत्तीसगढ़) और हरिद्वार (उत्तराखंड) पर स्टेशनों का उन्नयन कार्य शुरू कर दिया गया है, जो भावी जिलों के अंतर्गत आते हैं। विशाखापटनम स्टेशन पर प्रतीक्षालय, विश्रामालय और प्लेटफार्म की सतह को पुनर्निर्मित किया गया है और सभी प्लेटफार्मों पर मॉड्यूलर वेंडिंग कियोस्क मुहैया कराए गए हैं। रांची स्टेशन पर, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था के साथ स्टेशन भवन के सामने के हिस्से में सुधार, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग क्षेत्र के कार्य पूरे कर दिए गए हैं। सभी प्लेटफार्मों पर लिफ्ट और एस्केलेटर मुहैया कराए गए हैं। धुलनीय एप्रेन भी मुहैया कराए गए हैं और स्टेशन के दूसरे प्रवेश की ओर ऊपरी पैदल पुल का विस्तार किया गया है। राजनंदगांव स्टेशन पर, प्लेटफार्म शैल्टरों सहित स्टेशन पहुंच मार्ग का सुधार करने, प्रतीक्षालय, विश्रामालय, प्लेटफार्म सतह के कार्य पूरे कर दिए गए हैं। हरिद्वार स्टेशन पर, परिचलन क्षेत्र का सुधार, प्रतीक्षालय, प्लेटफार्म सतह और प्लेटफार्म शैल्टरों के कार्य पूरे हो गए हैं और तीन (3) एस्केलेटर तथा दो (2) लिफ्ट मुहैया कराई गई हैं।

इसके अलावा, रेल मंत्रालय भावी जिलों में दो स्टेशनों अर्थात् बोकारो और रांची पर तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन भी कर रहा है। स्टेशन पुनर्विकास संबंधी ऐसी परियोजनाओं की

लागत को स्टेशन में तथा इसके आस-पास की भूमि और नभ क्षेत्र का वाणिज्यिक क्षमता का लाभ उठाकर पूरा किया जा सकता है।

(ग): स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है और यह जटिल प्रकृति का होता है तथा इसमें विस्तृत तकनीकी-वित्तीय व्यावहार्यता अध्ययन और स्थानीय निकायों से विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों आदि की जरूरत होती है। इसलिए, इस स्थिति में किसी भी समय-सीमा का उल्लेख नहीं किया जा सकता है।

****